प्रदेश में पहली बार पाइल फाउंडेशन पर बने टावर्स से हुई विद्युत आपूर्ति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश में पहली बार अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार में पाइल फाउंडेशन पर अति उच्च दाब टावरों से विद्युत आपूर्ति की है।

प्रमुख बिंदु

- लगभग 31 करोड़ रुपए की लागत से कंपनी ने 132 केवी बुधनी मोहासा (बावई) डीसीडीएस (डबल सर्किट डबल स्ट्रिंगिंग) लाइन के 5 किलोमीटर लंबाई के बीच में चार टावरों के निर्माण में तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया है।
- ये टावर मोहासा ग्राम के पास से गुजरने वाली तवा नदी में निर्मित किये गए हैं। कुल 9 किलोमीटर की ये लाइन हाल ही में ऊर्जीकृत की गई।
- कंपनी के सामने पूर्व में भी नदी, तालाब, नाले आदि क्रास करवा कर अति उच्च दाब लाइनों का निर्माण हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। प्राय: नदी के दोनों छोर पर लंबे स्पान के साथ इनका निर्माण किया जाता था। इससे निर्माण के साथ रख-रखाव में भी दिक्कत आती थी। इस नई तकनीक को अपनाने से अब नदी के अंदर ही पाइल फाउंडेशन बनाकर इन टावर्स का निर्माण किया गया है।
- कंपनी के योजना एवं रूपांकन संकाय के मुख्य अभियंता इंजीनियर संजय कुलश्रेष्ठ ने बताया कि कंपनी द्वारा पहली बार उपयोग में लाई जा रही यह तकनीक ट्राँसमिशन लाइन निर्माण के लिये मील का पत्थर साबित होगी। इसके लिये कंपनी ने विशिष्ट डिजाइन के फाउंडेशन तैयार करवाए हैं।
- यह तकनीक जलमग्न और असमान भौगोलिक परिस्थिति वाले क्षेत्र में निर्माण कार्य को काफी लचीलापन प्रदान करती है, जिससे लाइनों के निर्माण में आवश्यकतानुसार परिवर्तन और बाद में रख-रखाव में आसानी रहती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/power-supply-from-towers-built-on-pile-foundation